MAA BHARTI
P.G. COLLEGE
Affiliated to University of Kota

Self-Study Report
Criterion- 3

3.2.1 Institution has created an ecosystem for innovations, Indian Knowledge System (IKS), including awareness about IPR, establishment of IPR cell, Incubation center and other initiatives for the creation and transfer of knowledge/technology and the outcomes of the same are evident Ecosystem for innovations:

S.No.	Content	Page No.
1	Institution has created an ecosystem for innovations, Indian Knowledge System (IKS), including awareness about IPR, establishment of IPR cell, Incubation center and other initiatives for the creation and transfer of knowledge/technology and the outcomes of the same are evident Ecosystem for innovations:	1-25

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

MAA BHARTI PG COLLEGE

YOU TUBE CHANNEL LINK FOR ONLINE LECTURES

https://www.youtube.com/c/MAABHARTICOLLEGEkota

https://www.youtube.com/channel/UCOHXIMkMMhux8E505eNMBgQ

https://www.youtube.com/channel/UCcCf1neXOmeoicuYGJdZp3w

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

स्वतन्त्रता का अमृत महोत्सव

मँा भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सेक्टर–8, महावीर नगर तृतीय, कोटा

दिनांक :15.10.22 (शनिवार) समय: 11 :30 AM

में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी

"इण्डिया से भारत की ओर"

में आप सादर आमंत्रित है

मुख्य अतिथि

प्रो.नीलिमा सिंह
माननीय कुलपति महोदया
कोटा विश्वविद्यालय , कोटा

विशिष्ट अतिथि

श्री महेश विजय
पूर्व महापौर नगर निगम ,कोटा

डा.मोहन लाल साहू
अध्यक्ष भारतीय इतिहास संकलन समिति,
चित्तौड़ प्रांत

अध्यक्षता

श्री दिनेश विजय
प्रबन्ध निदेशक मँा भारती शिक्षण
संस्थान समूह ,कोटा

SHWETA SAXENA
03.05.2024 16:48

निवेदक

डा.श्वेता सक्सैना

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

दैनिक
हेडलाइन न्यूज़
सच का वादा...
headlinenews72@gmail.com | कोटा, रविवार, 16 अक्टूबर 2022 | संपर्क: 98873-42980 | वर्ष: 2, अंक: 62, मूल्य-4.00 रु.

मां भारती पीजी कॉलेज में इंडिया से भारत विषय पर व्याख्यान

हेडलाइन न्यूज़ | कोटा

वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है , पश्चिमी लोग अब हमारी संस्कृति , सभ्यता और परंपराओं को अपना रहे है, जो हमे इंडिया से भारत की ओर लौटने के शुभ संकेत दे रहा है......ये उदगार थे कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह के।

वे मां भारती पी जी कॉलेज में आयोजित इंडिया से भारत की ओर विषय परव्याख्यानमाला में अपने विचार व्यक्त कर रही थी। मां भारती पी जी कॉलेज की प्राचार्य डॉ श्वेता सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में चित्तौड़ प्रांत से भारतीय इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष डॉ मोहनलाल साहु ,अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय , विशिष्ठ अतिथि मां भारती ग्रु प के चैयरमैन व पूर्व महापौर महेश विजय थे।

प्रो नीलिमा ने विषय को खंगालते हुऐ ना केवल भारत नाम की व्याख्या की बल्कि इस शब्द में छुपे भावनाओ को भी समझाया। उन्होंने भारतीय व्यवस्था, नीति, संस्कार व हो रहे नवाचार को सहजता से अपनाने की बात पर बल दिया और विदेशियो की नीति, सामान और निर्भरता से तटस्थ रहने पर आत्मचिंतन करने को कहा। उनका मानना था कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का साकार रूप अब दृष्टिगोचर होने लगा है जो पुनः भारत देश को विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में मददगार होगा।

मुख्य वक्ता व इतिहासकार डॉ मोहनलाल साहु ने आजादी के अमृत महोत्सव पर 'इंडिया से भारत की ओर' बढ़ते देश के कदमों के प्रति आशान्वित होते हुए कहा कि भारत शब्द केवल नाम नही, एक आत्मीयता का आभास है, अपनत्व का प्रतीक है और गुलामी की गंध से सुगंध का सुनहरा अहसास है। हमे सदैव अब स्वदेशी को और मुड़ते हुवे नव पीढी में ये नवीन संस्कार भी विश्व गुरु भारत के पोषित करने होंगे।

महेश विजय ने कहा कि हमारे शास्त्र और साहित्य आज विश्वभर में अपनाने जा रहे है । आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बढ़ते अपने कदम भी अब आत्मविश्वास की बढ़ा रहे है। दिनेश विजय ने कहा कि पूर्व में इतिहास में जो कुछ हमे बताया गया वही हमारा ज्ञान है किंतु अब बदलाव का समय आ गया है जब हम हमारे देश के इतिहास की सही तथ्यों को वास्तविक स्वरूप में लाने में प्रयासरत है । विधार्थी निश्चित ही इतिहास के मूल स्वरूप को जानकार भारत की कल्पना को सार्थक करेंगे। इस अवसर पर निदेशक

शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय , डॉ घनश्याम शर्मा, डॉ नवीन मित्तल उपस्थित थे। आयोजन का संचालन भावना शर्मा ने किया। अंत में अभी उपस्थित विधार्थियो का आभार व्यक्त करते हुवे शाला निदेशक दिनेश विजय ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

दैनिक भास्कर
कोटा 16-10-2022

विश्व में अनुकरणीय है भारत की संस्कृति

कोटा | मां भारती पीजी कॉलेज में इंडिया से भारत विषय पर व्याख्यान आयोजित की गई। इसमें कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह मुख्य अतिथि रही। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। भारती पी जी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. श्वेता सक्सेना ने बताया कि मुख्यवक्ता के रूप में चित्तौड़ प्रांत से डॉ. मोहनलाल साहू रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय व विशिष्ठ अतिथि मां भारती ग्रुप के चैयरमैन व पूर्व महापौर महेश विजय रहे। इस दौरान निदेशक शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. नवीन मित्तल उपस्थित रहे। संचालन भावना शर्मा ने आभार शाला निदेशक दिनेश विजय ने व्यक्त किया।

दैनिक
चम्बल संदेश
सच के लिए, सब के लिए

भारत की संस्कृति दुनिया के लिए अनुकरणीय : प्रो.नीलिमा सिंह

संदेश न्यूज। कोटा. राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) और भारतीय इतिहास संकलन समिति, चित्तौड़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में मां भारती पीजी कॉलेज में 'इण्डिया से भारत की ओर' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा सिंह ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा , पश्चिमी लोग अब हमारी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं को अपना रहे हैं, जो हमें इंडिया से भारत की ओर लौटने के शुभ संकेत दे रहा है। मुख्य वक्ता भारतीय इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष डॉ मोहनलाल साहु थे। अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय ने की। विशिष्ट अतिथि मां भारती ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व महापौर महेश विजय थे। प्रो नीलिमा ने विषय को खंगालते हुऐ ना केवल भारत नाम की व्याख्या की बल्कि इस शब्द में छुपे भावनाओं को भी समझाया। उन्होंने भारतीय व्यवस्था, नीति, संस्कार व हो रहे नवाचार को सहजता से अपनाने की बात पर बल दिया और विदेशियों की नीति, सामान और निर्भरता से तटस्थ रहने पर आत्मचिंतन करने को कहा। मुख्य वक्ता डॉ.मोहनलाल साहू ने आजादी के अमृत महोत्सव पर 'इंडिया से भारत की ओर' बढ़ते देश के कदमों के प्रति आशान्वित होते हुए कहा कि भारत शब्द केवल नाम नहीं, एक आत्मीयता का आभास है, अपनत्व का प्रतीक है। इस अवसर पर निदेशक शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय, डॉ.घनश्याम शर्मा, डॉ नवीन मित्तल उपस्थित थे। आयोजन का संचालन भावना शर्मा ने किया।

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

दुकानदारों ने लगाया पुलिस पर परेशान करने का आरोप

दुकानदार बोले- परेशान कर पैसे मांगते हैं, निगम अधिकारियों और पुलिस से परेशान दुकानदार

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 15 अक्टूबर। कोटा में अभी मेला दशहरा चल रहा है। लेकिन इसमें विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। मेला शुरू होने से पहले ही विवाद शुरू हो गया था जो कि अब तक चल रहा है। सबसे बड़ा विवाद दुकानें आवंटित करने को लेकर था जिसका समाधान अभी तक नहीं हुआ। दुकानदारों का कहना है कि जिन्होंने ऑक्शन में जगह ली उन्हें भी अब जगह की नाप को लेकर परेशान किया जाता है। जिस समय ग्राहक आते हैं उस समय निगम के कर्मचारी आकर रसीद मांगते हैं।

दैनिक कोटा ब्यूरो

कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, टोंक एवं सवाईमाधोपुर से प्रसारित

आर.एन.आई.नं. 48487/89

हरिकिशन एंटर प्राईजेज

खण्डेलवाल बर्तन - अन्ता, अंसारी-मांगरोल, राजू बर्तन-सुल्तानपुर, सत्यनारायण जनरल-इटावा, पलक फैन्सी-नैनवां, गर्ग स्टील-देवली, मनीष स्टील-बूंदी, सोमानी मेटल-बूंदी, चिमन कोकरी-बूंदी, विमल कुमार, विनोद कुमार- तालेड़ा, माहेश्वरी स्टील-भवानीमंडी, दक्ष स्टील-रा.मण्डी, सोहन बर्तन-रा.मण्डी, संदीप स्टील-रा.मण्डी, आनन्द स्टील-रा.मण्डी, विजय कोकरी-कोटा छावनी, सुमित बर्तन-कोटा छावनी,

वर्ष 33 अंक 283 आर.पे.को.टी. 43306 | E mail: kotabureau_7@yahoo.co.in kotakbnews@gmail.com | रविवार 16 अक्टूबर 2022 | M. 98290-35357, 95499-00005, 95499-00006 | मूल्य 1.50 रूपये

भारत की संस्कृति विश्व में है अनुकरणीय : प्रो नीलिमा सिंह

-मां भारती पी जी कॉलेज में इंडिया से भारत विषय पर व्याख्यान आयोजित

कोटा ब्यूरो न्यूज

कोटा 15 अक्टूबर। वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है , पश्चिमी लोग अब हमारी संस्कृति , सभ्यता और परंपराओं को अपना रहे है, जो हमे इंडिया से भारत की ओर लौटने के शुभ संकेत दे रहा है.......ये उदगार थे कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह के। वे मां भारती पी जी कॉलेज में आयोजित इंडिया से भारत की ओर विषय परव्याख्यानमाला में अपने विचार व्यक्त कर रही थी। मां भारती पी जी कॉलेज की प्राचार्य डॉ श्वेता सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में चित्तौड़ प्रांत से भारतीय इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष डॉ मोहनलाल साहु को आमंत्रित किया गया था। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय ने की जबकि बतौर विशिष्ट अतिथि मां भारती ग्रुप के चैयरमैन व पूर्व महापौर महेश विजय थे।

प्रो नीलिमा ने विषय को खंगालते हुऐ ना केवल भारत नाम की व्याख्या की बल्कि इस शब्द में छुपे भावनाओ को भी समझाया। उन्होंने भारतीय व्यवस्था, नीति, संस्कार व हो रहे नवाचार को सहजता से अपनाने की बात पर बल दिया और विदेशियो की नीति, सामान और निर्भरता से तटस्थ रहने पर आत्मचिंतन करने को कहा। उनका मानना था कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का साकार रूप अब दृष्टिगोचर होने लगा है जो पुन: भारत देश को विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में मददगार होगा।

मुख्य वक्ता व इतिहासकार डॉ मोहनलाल साहु ने आजादी के अमृत महोत्सव पर 'इंडिया से भारत की ओर' बढ़ते देश के कदमों के प्रति आशान्वित होते हुए कहा कि भारत शब्द केवल नाम नही, एक आत्मीयता का आभास है, अपनत्व का प्रतीक है और गुलामी की गंध से सुगंध का सुनहरा अहसास है। हमे सदैव अब स्वदेशी को और मुड़ते हुवे नव पीढी में ये नवीन संस्कार भी विश्व गुरु भारत के पोषित करने होंगे।

महेश विजय ने कहा कि हमारे शास्त्र और साहित्य आज विश्वभर में अपनाने जा रहे है । आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बड़ते अपने कदम भी अब आत्मविश्वास की बड़ा रहे है। दिनेश विजय ने कहा कि पूर्व में इतिहास में जो कुछ हमे बताया गया वही हमारा ज्ञान है किंतु अब बदलाव का समय आ गया है जब हम हमारे देश के इतिहास की सही तथ्यों को वास्तविक स्वरूप में लाने में प्रयासरत है । विधार्थी निश्चित ही इतिहास के मूल स्वरूप को जानकार भारत की कल्पना को सार्थक करेंगे। इस अवसर पर निदेशक शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय , डॉ घनश्याम शर्मा, डॉ नवीन मित्तल उपस्थित थे। आयोजन का संचालन भावना शर्मा ने किया। अंत में अभी उपस्थित विधार्थियो का आभार व्यक्त करते हुवे शाला निदेशक दिनेश विजय ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

SHWETA SAXENA
03.05.2024 16:48

राजस्थान पत्रिका

वर्ष 37 | अंक 216 | पृष्ठ 28 | मूल्य 5.50 | कोटा, रविवार, 16 अक्टूबर, 2022

भारत की संस्कृति विश्व में है अनुकरणीय : प्रो नीलिमा सिंह

कोटा @ पत्रिका. राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) और भारतीय इतिहास संकलन समिति, चित्तौड़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में मां भारती पी.जी.कॉलेज में ''इण्डिया से भारत की ओर'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। पश्चिम देशों के लोग अब हमारी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं को अपना रहे है, जो हमें इंडिया से भारत की ओर लौटने के शुभ संकेत दे रहा है। मुख्य वक्ता चित्तौड़ प्रांत से भारतीय इतिहास मोहनलाल साहु ने कहा कि भारत शब्द केवल नाम नहीं, एक आत्मीयता का आभास है, अपनत्व का प्रतीक है और गुलामी की गंध से सुगंध का सुनहरा अहसास है। हमें सदैव अब स्वदेशी को और मुड़ते हुए नव पीढ़ी में ये नवीन संस्कार भी विश्व गुरु भारत के पोषित करने होंगे। विशिष्ठ अतिथि पूर्व महापौर महेश विजय ने कहा कि हमारे शास्त्र और साहित्य आज विश्वभर में अपनाए जा रहे है। अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय ने की। कॉलेज प्राचार्य डॉ. श्वेता सक्सेना ने बताया कि संगोष्ठी में निदेशक शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ नवीन मित्तल उपस्थित थे।

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

कोटा, रविवार
16 अक्टूबर, 2022
कार्तिक कृष्ण सप्तमी, संवत् 2079
पृष्ठ: 8, मूल्य : 2 रु.
नगर संस्करण

जननायक

वर्ष: 44, अंक: 198, रजिस्ट्रेशन : 30949/73
डाक पंजीयन: कोटा/310/2022-24
जन जीवन का दर्पण
कोटा, जयपुर, चित्तौड़गढ़ से प्रकाशित
> jannayakkota@gmail.com

कोटा सिटी

विश्व में अनुकरणीय है भारतीय सभ्यता और संस्कृति-प्रो. नीलिमा

मां भारती पी जी कॉलेज में इंडिया से भारत की ओर विषयक व्याख्यान

जननायक संवाददाता

कोटा। वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है, पश्चिमी लोग अब हमारी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं को अपना रहे है, जो हमे इंडिया से भारत की ओर लौटने के शुभ संकेत दे रहा है। .ये उद्‌गार कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह ने मां भारती पीजी कॉलेज में आयोजित इंडिया से भारत की ओर विषय परव्याख्यानमाला में विचार किए। मुख्य वक्ता के रूप में चित्तौड़ प्रांत से भारतीय इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष डॉ मोहनलाल साहु को आमंत्रित किया गया था। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय ने की जबकि बतौर विशिष्ट अतिथि मां भारती ग्रुप के चैयरमैन व पूर्व महापौर महेश विजय थे।

प्रो नीलिमा ने विषय को खंगालते हुऐ ना केवल भारत नाम की व्याख्या की बल्कि इस शब्द में छुपे भावनाओ को भी समझाया। उन्होंने भारतीय व्यवस्था, नीति, संस्कार व हो रहे नवाचार को सहजता से अपनाने की बात पर बल दिया और विदेशियो की नीति, सामान और निर्भरता से तटस्थ रहने पर आत्मचिंतन करने को कहा। उनका मानना था कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का साकार रूप अब दृष्टिगोचर होने लगा है जो पुनः भारत देश को विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में मददगार होगा।

मुख्य वक्ता व इतिहासकार डॉ मोहनलाल साहु ने आजादी के अमृत महोत्सव पर 'इंडिया से भारत की ओर' बढ़ते देश के कदमों के प्रति आशान्वित होते हुए कहा कि भारत शब्द केवल नाम नही, एक आत्मीयता का आभास है, अपनत्व का प्रतीक है और गुलामी की गंध से सुगंध का सुनहरा अहसास है। हमे सदैव अब स्वदेशी को और मुड़ते हुवे नव पीढी में ये नवीन संस्कार भी विश्व गुरु भारत के पोषित करने होंगे। कालेज की प्राचार्य श्वेता सक्सेना ने भी विषय पर अपनी बात रखी।

महेश विजय ने कहा कि हमारे शास्त्र और साहित्य आज विश्वभर में अपनाने जा रहे है । आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बड़ते अपने कदम भी अब आत्मविश्वास की बड़ा रहे है। दिनेश विजय ने कहा कि पूर्व में इतिहास में जो कुछ हमे बताया गया वही हमारा ज्ञान है किंतु अब बदलाव का समय आ गया है जब हम हमारे देश के इतिहास की सही तथ्यों को वास्तविक स्वरूप में लाने में प्रयासरत है । त्र निश्चित ही इतिहास के मूल स्वरूप को जानकार भारत की कल्पना को सार्थक करेंगे। इस अवसर पर निदेशक शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय, डॉ. घनश्याम शर्मा, डॉ. नवीन मित्तल उपस्थित थे। संचालन [illegible] ने किया।

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 04 प्रभात कोटा, रविवार 16 अक्टूबर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भारत की संस्कृति विश्व में अनुकरणीय : प्रो नीलिमा सिंह

कोटा, (निसं)। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) और भारतीय इतिहास संकलन समिति, चित्तौड़ प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय माँ भारती पी.जी.कॉलेज में "इण्डिया से भारत की ओर" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

वर्तमान परिप्रेक्ष में तेजी से बदलाव देखा जा रहा हैं, पश्चिमी लोग अब हमारी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं को अपना रहे है, जो हमे इंडिया से भारत की ओर लौटने के शुभ संकेत दे रहा है. ये उदगार थे कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह के वे मां भारती पीजी कॉलेज में आयोजित इंडिया से भारत की ओर विषय पर व्याख्यानमाला में अपने विचार व्यक्त कर रही थी। मां भारती पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ श्वेता सक्सेना ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में चित्तौड़ प्रांत से भारतीय इतिहास संकलन समिति के अध्यक्ष डॉ मोहनलाल साहु को आमंत्रित किया गया था। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक दिनेश विजय ने की जबकि बतौर विशिष्ट अतिथि मां भारती ग्रुप के चौयरमैन व पूर्व महापौर महेश विजय थे। प्रो. नीलिमा ने विषय को खंगालते हुऐ ना केवल भारत नाम की व्याख्या की बल्कि इस शब्द में छुपे भावनाओं को भी समझाया। उन्होंने भारतीय व्यवस्था, नीति, संस्कार व हो रहे नवाचार को सहजता से अपनाने की बात पर बल दिया और विदेशियों की नीति, सामान और निर्भरता से तटस्थ रहने पर आत्मचिंतन करने को कहा।

उनका मानना था कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का साकार रूप अब दृष्टिगोचर होने लगा है जो पुनः भारत देश को विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में मददगार होगा। मुख्य वक्ता व इतिहासकार डॉ मोहनलाल साहु ने आजादी के अमृत महोत्सव पर 'इंडिया से भारत की ओर' बढ़ते देश के कदमों के प्रति आशान्वित होते हुए कहा कि भारत शब्द केवल नाम नही, एक आत्मीयता का आभास है, अपनत्व का प्रतीक है और गुलामी की गंध से सुगंध का सुनहरा अहसास है। हमे सदैव अब स्वदेशी को और मुड़ते हुवे नव पीढ़ी में ये नवीन संस्कार भी विश्व गुरु भारत के पोषित करने होंगे। महेश विजय ने कहा कि हमारे शास्त्र और साहित्य आज विश्वभर में अपनाने जा रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत की ओर तेजी से बढ़ते अपने कदम भी अब आत्मविश्वास की बड़ा रहे है।

दिनेश विजय ने कहा कि पूर्व में इतिहास में जो कुछ हमे बताया गया वही हमारा ज्ञान है किंतु अब बदलाव का समय आ गया है जब हम हमारे देश के इतिहास की सही तथ्यों को वास्तविक स्वरूप में लाने में प्रयासरत हैं। विधार्थी निश्चित ही इतिहास के मूल स्वरूप को जानकार भारत की कल्पना को सार्थक करेंगे। इस अवसर पर निदेशक शुभम विजय, पुष्पांजलि विजय, डॉ घनश्याम शर्मा, डॉ नवीन मित्तल उपस्थित थे। आयोजन का संचालन भावना शर्मा ने किया। अंत में अभी उपस्थित विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुवे निदेशक दिनेश विजय ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

बसंत पंचमी (2022-23)

माँ भारती पी.जी. महाविद्यालय के तत्वाधान में आज माँ सरस्वती के जन्मोत्सव बसंत पंचमी का आयोजन किया गया | विद्यार्थियों को बसंत पर्व की महत्ता को समझाया गया | इस समय बदलते ऋतु परिवर्तन को भी उन्होंने भली-भांति समझा | भारत छह ऋतुओं का देश हैं, जिसमे बसंत को ऋतुओं का राजा कहा जाता हैं | यह त्यौहार फूलों के खिलने व नई फसल की आने का त्यौहार हैं | यह मौसम प्रकृति को खुशनुमा बना देता हैं | कॉलेज प्राचार्या डॉ. श्वेता सक्सेना ने विद्यार्थियों को बसंत ऋतु के महत्त्व को समझाया | अंत में विद्यार्थियों को प्रसाद का वितरण किया गया |

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

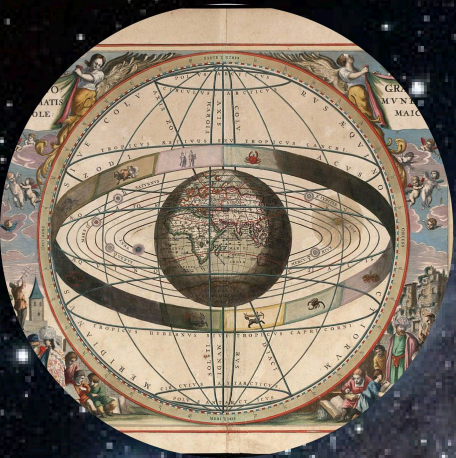

ABOUT US

BOARD OF DIRECTORS

Mr. Dinesh Vijay
Mrs. Pushpanjali Vijay
CA Shubham Vijay

PRINCIPAL

Dr. Shweta Saxena

CONVENOR

HOD EDUCATION DEPARTMENT

Dr. Arshi Abbasi

Hindu Nav-Varsh: Sanatan Sanskriti aur Navin Drishtikon

ORGANIZED BY EDUCATION DEPARTMENT M.B.P.G.COLLGE, KOTA

MARCH 10, 2023

EKTA MEIN ANUBHAV - DHAROHAR DHARMA, AUR VIGYAN KA SANKALP

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

MOTIVE

To explore the significance of Hindu Nav Varsh: Delve into the cultural and spiritual importance of the Hindu New Year, emphasizing its traditions and celebrations.

SPEAKERS

Dr DINESH TIWARI
Retired Professor
Commerce College Kota

Dr N.L. Heda
Assistant Professor of Physics, University of Kota

हिंदू नव वर्ष संवत् 2080

A NEW APPROACH

To promote unity and understanding: Showcase the richness of Sanatan Sanskriti while fostering a spirit of unity by comparing and appreciating the cultural, religious, and scientific aspects across different traditions.

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

कार्यालय प्राचार्य, माँ भारती पी.जी .कॉलेज, कोटा

महावीर नगर तृतीय सर्किल सेक्टर-8,

कोटा-324005 राजस्थान

ईमेल-mbpgcollege@yahoo.com

आमंत्रण पत्र

डॉ. दिनेश तिवारी

Date- 2/03/2023

रिटायर्ड प्रोफेसर

कॉमर्स कॉलेज, कोटा

विषय-"सनातन संस्कृति और नवीन दृष्टिकोण" पर कार्यशाला में आमंत्रण हेतू।

मान्यवर,

उपरोक्त विषय अंतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा "हिन्दू नव वर्ष" पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसके द्वारा विद्यार्थियों को "सनातन संस्कृति और नवीन दृष्टिकोण" से अभिप्रेरित करने हेतू आयोजित कार्यशाला दिनांक 10 मार्च 2023 को आप सादर आमंत्रित हैं। अतः आप से विनम्र निवेदन है कि आप पधार कर हमें अनुग्रहीत करें।

Shweta

Principal
Maa Bharti P.G. College
Mahaveer Nagar-III, Kota

विभागाध्यक्ष

शिक्षा विभाग

HEAD OF DEPARTMENT
Faculty of Education
M.B.P.G. College, Kota.

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

कार्यालय प्राचार्य, माँ भारती पी.जी .कॉलेज, कोटा
महावीर नगर तृतीय सर्किल सेक्टर-8,
कोटा-324005 राजस्थान
ईमेल-mbpgcollege@yahoo.com

आमंत्रण पत्र

डॉ. एन.एल. हेड़ा

Assistant Professor of Physics, UOK

Date- 02/03/2023

विषय-"सनातन संस्कृति और नवीन दृष्टिकोण" पर कार्यशाला में आमंत्रण हेतू।

महोदय,

उपरोक्त विषय अंतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में शिक्षा विभाग द्वारा "हिन्दू नव वर्ष" पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसके द्वारा विद्यार्थियों को "सनातन संस्कृति और नवीन दृष्टिकोण" से अभिप्रेरित करने हेतू आयोजित कार्यशाला दिनांक 10 मार्च 2023 को आप सादर आमंत्रित हैं। अतः आप से विनम्र निवेदन है कि आप पधार कर हमें अनुग्रहीत करें।

विभागाध्यक्ष

शिक्षा विभाग

Shweta

Principal
Maa Bharti P.G. College
Mahaveer Nagar-III, Kota

HEAD OF DEPARTMENT
Faculty of Education
M.B.P.G. College, Kota.

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

कार्यालय प्राचार्य, माँ भारती पी.जी .कॉलेज, कोटा

महावीर नगर तृतीय सर्किल सेक्टर-8,

कोटा-324005 राजस्थान

ईमेल-mbpgcollege@yahoo.com

कार्यालय आदेश

Date - 6/03/2023

महाविद्यालय के समस्त सह/सहायक आचार्यों, कर्मचारियों, सहायक कर्मियों तथा विद्यार्थियों को सूचित किया जाता हैं कि शिक्षा विभाग द्वारा हिन्दू नव वर्ष –"सनातन संस्कृति और नवीन दृष्टिकोण" विषय पर दिनांक 10/03/2023 को प्रातः 10:00 बजे New Hall में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा हैं । जिसमें आप सभी की उपस्थिति व सहयोग अनिवार्य हैं ।

विभागाध्यक्ष

शिक्षा विभाग

HEAD OF DEPARTMENT
Faculty of Education
M.B.P.G. College, Kota.

Shweta

Principal
Maa Bharti P.G. College
Mahaveer Nagar-III, Kota

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

MAA BHARTI P.G. COLLEGE

Report- "Sanatan Sanskriti aur Navin Drishtikon"

Sub-theme: "Ekta Mein Anubhav - Dharohar, Dharma"

Science and technology revolutionize our lives, but memory, tradition and myth frame our responses, keeping this in mind we had a workshop at our college which was a perfect and appropriate blend of science and tradition. It was held on 10th March 2023 during college hrs. Mr. N.L Heda sir who is Assistant Professor of Physics at Dept. of Pure and Applied Physics in University of Kota and Dr. Dinesh Tiwari who is Rtd. Professor of Commerce College came as Chief Guest along with some prominent leaders of Rashtriya Swayamsevak Sangh. He was welcomed by honorable directors Mr. Dinesh Vijay sir and CA Shubham Vijay sir with garlands and flowers. Dinesh sir who is a key note speaker beautifully addressed the students position of sun and moon and mythological stories related to Hindu New Year and explained the role of celestial bodies in our festivals and traditions. Celebrations were started by chanting the holy name of Maa Saraswati and doing Saraswati Vandana as it is considered auspicious to start functions with the name of holy lord. Then two students Sarvesh Gautam and Jahanvi Gautam came up with their presentations and explained how science and tradition together bind the soul of India and our rich heritage. In this context he explained with the example of Basant Panchami, that it marks the onset of spring and is considered auspicious, not only in Hindus but in Muslims, Christians and Sikhs as well. This festival was adopted by some Indian Muslim Sufis in the 12th century to mark the grave of the Muslim Sufi saint dargah of Nizamuddin Auliya in Delhi and ever since, has been observed by the Chishti order. Then in order to connect science with culture he further said that every festival has a scientific importance too. For example, Hindu New Year, along with religious and cultural validity it has scientific importance too. This period marks the birth on earth, as animals reproduce and awakening from the deep hibernation. After harsh winters, new sprouts begin growing and little leaves start to appear on trees. Crops are harvested in this season. After their enlightening performance, a dance performance devoted in the feet of Goddess Saraswati was performed by Bhavika Gautam. Then, a Question-Answer round was organized by two senior students Chanchal Jain and Akansha Nagar for student's assessment, where everyone participated actively. Lately, honorable directors gave their respective speeches laying importance on the culture and specifically on auspicious date. They explained this with few examples like touching feet of elders, which is a popular tradition in Hindu tradition marks the scientific importance too that says the blood flow to brain improves when a person is bent down, also it results in transfer of energy. They told how important it is to stay connected to the roots. After that few beautiful songs were sung by a college choir. Whole room was filled with melodies and a beautiful, spiritual environment was created where everyone was sunk in the divinity of odes and melodies. Then our witty anchors concluded the programme by thanking the chief guests and audience. Events like this help the child to stay connected to their culture and be proud of their rich heritage and traditions.

By - JAHANVI GAUTAM
(B.A. B.Ed. I Year)

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

MAA BHARTI P.G. COLLEGE, KOTA

Expert Lecture/

Workshop/Seminar Etc.

Attendance

Session:-

te:- 10/03/2023 Topic Name:- HINDU NAV VARSH: SANATAN SANSKRITI [AUR NAVIN DRISHTIKON]

aker Name:- Dr. Dinesh tiwari & Dr. N.L Heda

No.	Student Name	Father Name	Signature
	Chetan Kumar	Deepak Kumar	Chetan
	Manish Prajapat	Motilal Prajapat	Manish
	Golu Sen	Teekamchand Sen	[illegible]
	Pawan Gurjar	Durgashankar	[illegible]
	Jasvant Gocher	Prathviraj	[illegible]
	Vivek Chouhan	Hariom Chouhan	[illegible]
	Dheeraj Meena	Hemraj	Dheeraj
	Jay Prakash	Rajendra prasad	Jay Prakash
	Keshav Meena	Rambilas Meena	Keshav
	Chirag Malav	Chaturbhuj Malav	Chirag
	Yash Pathak	Bhupendra Pathak	[illegible]
	Dinesh Meena	PRABHU LAL MEENA	Dinesh
	MOHIT CARPENTER	VISHNU SHANKER	MOHIT
	PANKAJ LODHA	DHANNALAL	Pankaj Lodha
	Rama Kumari Malav	Narottam Kumar Malav	रमा मालव
	Divyanshu soni	mahendra soni	Divyanshu
	Chandni Pareta	Bhupendra Kumar Pareta	Chandni
	Sheela Meena	Gopal lal Meena	Sheela Meena
	Girja kumari	Dariyav singh	Girja
	MANISHA kumari	Balchand Dhaker	मनीषा कुमारी
	ANJALI Gautam	DEENDAYAL Gautam	अंजली
	SURBHI RATHORE	TIKAM CHAND RATHORE	सुरभि
	Abhishek Suwalka	Ramcharan Suwalka	अभिषेक सुवालका
	Diya Bhatia	Brajesh Bhatia	[illegible]
	Gajendra Singh	Nahar Singh	Gajendra
	Kajal Jat	Dharmendra Kumar Jat	Kajal
	Amit Suman	mahesh Kumar Suman	Amit
	Virat Shringi	Satyanarayan Shringi	Virat
	Ankit Sawant	mahaveer prasad Sawant	Ankit
	Jagdish Lodha	Pahalwan Singh Lodha	जगदीश लोधा
	Jyoti Gocher	Kalu lal Gocher	Jyoti

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

MAA BHARTI P.G. COLLEGE, KOTA

Expert Lecture/

Workshop/Seminar Etc.

Attendance

Session:-

Date:- 10/03/23 Topic Name: Hindu nav varsh: Sanatan sanskriti aur Navin drishtikon

Speaker Name:- Dr. Dinesh & Dr N.L Heda

S. No.	Student Name	Father Name	Signature
1.	Vishakha Jain	Mr. Rishabh Kumar Jain	Vishakha
2.	Paridhi Agrawal	Revati Raman Gupta	Paridhi
3	Antima Kumari Nagar	Amar lal	Antima
4.	Mehvish	Mohammad Mustkim	मेहविश
5	Naval Kushwah	Banshi lal	Naval
6.	Rishi Kant Meena	Raju lal meena	Rishi
7.	Dheeraj Lowanshi	Hemraj Lowanshi	Dheeraj
8.	AKSHAT	Mr. Sumer Singh	अक्षत
9.	RAHUL KUMAR	Kailash Chand	[illegible]
10.	Dinesh Kumar Nagar	Mr. Hansraj Nagar	Dinesh
11	Govind Meena	Shobhag chand Meena	गोविंद
12	Manish Kumar Nama	Shri Shankar Lal Nama	[illegible]
13.	Himanshu Prajapati	Mr. Satish Kumar Prajapati	Himanshu
14.	Rohit kumar Meghwal	Mr. Phool Chand	रोहित
15.	Satyendra Singh	Mr. Bhanwar Singh	[illegible]
16	Harish Kumar Gurjar	Devlal Gurjar	[illegible]
17	Rohit Meena	Rameshchand Meena	[illegible]
18	Chetan Gochar	Suresh kumar	Chetan
19	Vijendra Malav	Ganesh lal	Vijendra

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

MAA BHARTI P.G. COLLEGE, KOTA

B.Sc. B.Ed.(BATCH-2020)

TOPIC- *Hindu nav varsh: Sanatan Sanskriti aur Navin drishtikon*

S.No.	S Name	F Name	Contact1	Signature
1	ABHISHEK MEENA	RAMBILAS MEENA	7877665078	
2	AJAY GOCHER	RAGHU NANDAN GOCHER	6367671558	
3	AMAN HUSSAIN	USMAN GANI	9660367760	
4	AMIT MEENA	ASHOK MEENA	9982823506	
5	ANJALI MEHTA	CHANDRA PRAKASH MEHTA	9783137141	
6	ANKIT KUSHWAH	PURUSHOTTAM KUSHWAH	7690991663	
7	ANKIT SAINI	BHANWAR LAL SAINI	7568864438	
8	ANTIMA KUMARI REGAR	DEV KARAN REGAR	7568725064	
9	ASHISH KUMAR SEN	RAM CHANDER SEN	8619240539	
10	ASHISH PATEL	SUBHASH PATEL	8905307632	
11	BABITA MEHAR	SHYAM SUNDER MEHAR	6367067101	
12	BHARTI MEHTA	HARGOVIND MEHTA	9521549319	
13	BHUPENDRA SISODIYA	SAMPAT SISODIYA	8306069405	
14	CHHAMMA KUMARI	BHOJRAJ		
15	DIVYANSHU VERMA	ARJUN VERMA	7300282599	
16	GOLU NAYAK	RAMESH CHAND NAYAK	9166797301	
17	GOVIND SHARMA	SANJAY SHARMA	9461722999	
18	HARSHVARDHAN SINGH SOLANKY	LAXMAN SINGH	6376298286	
19	HIMANI VERMA	SATYA NARAYAN VERMA	8890319900	
20	ISHIKA JOSHI	TRILOK SHARMA	9887626036	
21	LOKESH KUMAR GURJAR	DEV KARAN GURJAR	9079792962	
22	MAHAVEER MEENA	RAM KUMAR MEENA	9983873700	
23	MAHIMA MEGHWAL	BABU LAL MEGHWAL	7073432147	
24	MANISHA KATARA	NANURAM KATARA	7073195815	
25	MAYANK NAGAR	SURAJ MAL NAGAR	9660141681	
26	MUSKAN GOCHAR	MAHENDRA GOCHAR	9079094615	
27	NAINCY SONI	LAL CHAND SONI		
28	NILESH DANGI	ROSHAN SINGH	9414541152	
29	PAVAN NAGAR	HEMRAJ NAGAR	8306903328	
30	PIYUSH SHARMA	BAL MUKUND SHARMA	8107545921	
31	PRADYUMAN RATHOR	RAJENDRA RATHOR	7597911812	
32	RANU PARETA	OM PRAKASH PARETA	9079119291	
33	RANU SHRINGI	SATYANARAYAN SHRINGI	7665117944	
34	RISHABH JAIN	PARASMAL JAIN	7878858773	
35	ROHIT KUMAR NAGAR	DAYASHANKER NAGAR	7023082990	
36	SATYANARAYAN MEENA	MOJIRAM MEENA	6367262462	
37	SAURABH	RAJVEER SINGH	8209327466	
38	SHALU RATHORE	DHANNA LAL RATHORE	8905952374	
39	SHILPA DHANWARIYA	SAHAB LAL MEENA	9352338595	
40	SHIVAM KUMAR SHARMA	NAVAL KISHOR SHARMA	8306321366	
41	SHUBHAM MALAV	RAMESH CHAND MALAV	8619824640	
42	SHUBHAM RATHORE	ASHOK KUMAR RATHORE	8949173645	
43	SUNIL PATEL	MANILAL PATEL	8279254446	
44	SURAJ MEGHWAL	DWARKA LAL MEGHWAL	7852816270	

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

45	TANMAY AHIR	BANWARI LAL AHIR	7877117651	Tanmay
46	VIJAY NAGAR	RAJENDRA NAGAR	7727959846	Vijay
47	VISHAL MALAV	RAGHUVEER MALAV	9982656372	Vishal
48	VISHAL NAGAR	NARENDRA KUMAR NAGAR	772808354	विशाल
49	YASHVARDHAN TIWARI	SURENDRA KUMAR TIWARI	9549150061	यशवर्धन
50	YUVRAJ MEENA	BALCHAND MEENA	6375419791	Yuvraj

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48

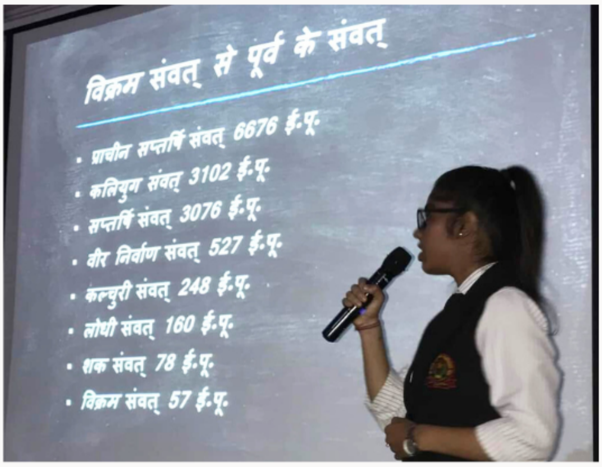

SHWETA SAXENA

03.05.2024 16:48